

आब स्त्री. (फा.) 1. चमक, आभा, छटा, द्युति
2. तड़क, भड़क 3. प्रतिष्ठा, उत्कर्ष, महिमा 4.
शोभा, छवि पुं. 1. पानी, जल 2. मदिरा 3. किसी
वस्तु का अर्क 4. पसीना 5. आँसू 6. मवाद 7.
फूल का रस।

आबकार पुं. (फा.) मद्य बनाने या बेचने वाला,
कलाल।

आबकारी स्त्री. (फा.) 1. शराबकी भट्टी, शराबखाना
2. मादक वस्तुओं पर लगाया गया कर दे.
आबकारी शुल्क 3. मद्य या मादक वस्तुओं का
व्यवसाय।

आबकारी शुल्क पुं. (फा.+तत्.) (राजस्व) 1. वह
शुल्क या कर जो राज्य की ओर से मादक द्रव्यों
(शराब, भंग आदि) के उत्पादन या विक्रय पर
लगता है 2. उत्पादन शुल्क। excise duty

आबड़ स्त्री. (देश.) जिस से किसी वस्तु को ढाँपा
जाए, आवरण, घेरा।

आबताब स्त्री. (फा.) 1. द्युति, कांति, शोभा 2.
तड़क-भड़क।

आबदस्त पुं. (फा.) पानी का पात्र, जिससे शौच
आदि के पश्चात, गुप्तांग स्वच्छ किए जाते हैं।

आबदाना पुं. (फा.) अन्नजल, दानापानी, अन्नपानी
मुहा. आबदाना उठना- जीविका का न रहना।

आबदार वि. (फा.) 1. चम्कीला, कांतिमान, द्युतिमान
2. धारदार पुं. 1. वह व्यक्ति जो तोप में सुबा
और पानी का पुचारा देता है 2. पानी पिलाने
वाला सेवक।

आबदारी स्त्री. (फा.) 1. जल युक्त होने की
अवस्था अथवा भाव 2. आभायुक्त अर्थात् चमकदार
होने का भाव 3. प्रतिष्ठावान होने का भाव 4.
तलवार के संबंध में धारदार होने का भाव।

आबद्ध पुं. (तत्.) 1. बँधा हुआ, बाँध लिया गया
2. कैद 3. बाधित 4. जकड़ा हुआ 5. निर्मित
6. (विधि.) किसी वचन, बंधन या दायित्व से
बँधा हुआ bound पुं. 1. अलंकार 2. द्यूत, जुआ
3. कठोर बंधन।

आबद्धकर वि. (तत्.) जिसके कारण कोई व्यक्ति
आबद्ध हो जाए, आबद्ध करने वाला। binding

आबद्ध बाजार पुं. (तत्.+फा.) ऐसा बाजार या
क्रय-विक्रय की स्थिति जिसके क्रेता के पास
विकल्प का अभाव रहता है जैसे- बस्ती से बहुत
दूर स्थित किसी शिक्षण-संस्था की अपनी लेखन-
सामग्री की दूकान जो छात्रों के लिए आबद्ध
बाजार है।

आबधिकी वि. (तद्.) निश्चित समय की, आवधिक,
निश्चित अंतर के बाद प्रकाशित होने वाली
(पत्रिका)।

आबनूस पुं. (फा.) 1. तेंदू नामक एक जंगली
पेड़, जिसकी लकड़ी पुरानी हो जाने पर काली
पड़ जाती है 2. आबनूस की लकड़ी जिससे छड़ी,
रूल, कलमदान आदि अनेक कलात्मक वस्तुएँ
बनती हैं।

आबनूसी वि. (फा.) 1. आबनूस-सा काला, गहरा
काला, श्याम 2. आबनूस का बना हुआ।

आबपाशी स्त्री. (फा.) खेत, उपवन आदि में
सिंचाई का कार्य, फसल अथवा पौधों में पानी देना।

आबरू स्त्री. (फा.) इज्जत, मान, प्रतिष्ठा।

आबरूदार वि. (फा.) 1. जिसको अपनी आबरू,
इज्जत का खयाल हो, प्रतिष्ठित, इज्जतदार 2.
सतीत्व का पालन करने वाली नारी।

आबला पुं. (फा.) 1. शरीर के किसी अंग पर फूटा
हुआ फफोला 2. छाता।

आबल्य पुं. (तत्.) हीनता, निर्बलता, कमजोरी।

आबहवा स्त्री. (फा.) आब (अर्थात् जल) एवं हवा,
जलवायु, मौसम।

आबाद वि. (फा.) 1. बसा हुआ 2. प्रसन्न 2.
उपजाऊ प्रयो. इन मिरासनों को इसलिए आबाद
किया था कि जनानी मजलिसों की रौनक बढ़
जाएगी। (आधा गाँव- रा.मा.रज़ा)।

आबादान वि. (फा.) 1. बसा हुआ, भरा-पूरा 2.
उन्नत, समृद्ध।